भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 1562
दिनांक 13 फरवरी, 2025

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस क्षेत्र में पेट्रोकेमिकल उत्पादन बढ़ाना

†1562. श्री बेन्नी बेहनन:

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस क्षेत्र में पेट्रोकेमिकल उत्पादन बढ़ाने के लिए कोई उपाय/व्यवहार्यता अध्ययन किए हैं;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और वर्तमान स्थिति क्या है;
(ग) देश में पेट्रोकेमिकल उत्पादन के क्षेत्र में वर्तमान में अनुसंधान कर रहे संगठनों/संस्थाओं का ब्यौरा क्या है;
(घ) उत्पादन क्षमता और दक्षता बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा क्या विशिष्ट अनुसंधान पहल/सहयोग किए गए हैं/किए जा रहे हैं;
(ड.) पेट्रोकेमिकल उत्पादन क्षेत्र में नवाचार और निवेश को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं और
(च) सरकार इस संबंध में प्रौद्योगिकी, कच्चे माल की उपलब्धता और पर्यावरण संबंधी चिंताओं से संबंधित चुनौतियों का किस प्रकार समाधान कर रही है?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री सुरेश गोपी)

(क) से (च): भारत में तेल और गैस कंपनियां पहले से ही संबद्ध एकीकृत क्रैकर इकाइयों के माध्यम से विभिन्न पेट्रोकेमिकल्स का उत्पादन कर रही हैं। इनमें से कई कंपनियों की योजना वर्ष 2030 तक क्षमता में वृद्धि के साथ पेट्रोकेमिकल्स का उत्पादन बढ़ाने की है। इनमें पॉली विनाइल क्लोराइड (पीवीसी), पॉलीप्रोपाइलीन (पीपी), ब्यूटाइल एक्रिलेट, हाई डेंसिटी पॉलीइथिलीन (एचडीपीई), लो डेंसिटी

पॉलीइथिलीन (एलडीपीई), आइसो प्रोपाइल अल्कोहल, एपॉक्सी, पॉलिएस्टर आदि के उत्पादन के लिए परियोजनाएं शामिल हैं।

रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग (डीसीपीसी) ने बताया है कि पेट्रोलियम, रसायन और पेट्रोरसायन क्षेत्रों को बड़े पैमाने पर एकीकृत तथा पर्यावरण अनुकूल तरीके से बढ़ावा देने के लिए पेट्रोलियम, रसायन और पेट्रोरसायन निवेश क्षेत्र (पीसीपीआईआर्स) स्थापित किए जा रहे हैं। वर्तमान में इन क्षेत्रों में निवेश तथा औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए गुजरात (दाहेज), आंध्र प्रदेश (विशाखापत्तनम) और ओडिशा (पारादीप) राज्यों में तीन पीसीपीआईआर्स क्रियान्वित किए जा रहे हैं।

पीसीपीआईआर परियोजनाओं के कार्यान्वयन और निष्पादन की स्थिति **अनुलग्नक-I** के अनुसार है ।

इसके अलावा, डीसीपीसी ने बताया है कि वह उत्कृष्टता केंद्रों (सीओईज) की स्थापना करने के लिए एक योजना का कार्यान्वयन करता है। इस योजना के तहत, विभाग, देश में मौजूदा प्रौद्योगिकी और अनुसंधान में सुधार लाने तथा नए अनुप्रयोगों के विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पहचाने गए अनुसंधान संस्थानों को परियोजना लागत के 50% तक सहायता अनुदान प्रदान करता है, जो 5 करोड़ रुपये की ऊपरी सीमा की शर्त के अधीन है। इसमें मौजूदा विनिर्माण प्रक्रियाओं के आधुनिकीकरण और उन्नयन के साथ-साथ उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार पर जोर दिया जाता है। अब तक 18 सीओईज (उत्कृष्टता केंद्रों) को मंजूरी दी गई है, जिनका विवरण **अनुलग्नक-II** के अनुसार है ।

पेट्रोकेमिकल्स के लिए कच्चे माल में कच्चा तेल, गैस और नेफ्था शामिल हैं, जो व्यापक रूप से उपलब्ध हैं। डीसीपीसी ने यह भी बताया है कि उसने घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए पेट्रोकेमिकल उत्पादों की संपूर्ण मूल्य श्रृंखला के लिए आयात शुल्क को युक्तिसंगत बनाने की कवायद की है।

इसके अलावा, पर्यावरण संबंधी सरोकारों का समाधान करने के लिए, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफसीसी) ने विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व (ईपीआर) नीति जारी की है। इस नीति का उद्देश्य प्लास्टिक कचरे को कम करना तथा संधारणीय गतिविधियों को बढ़ावा देना है। इस नीति में प्लास्टिक कचरे के प्रबंधन में उत्पादकों, आयातकों और ब्रांड स्वामियों (पीआईबीओज) को शामिल किया गया है। पीआईबीओज, अपने प्लास्टिक पैकेजिंग कचरे को पुनर्चक्रण, पुन: उपयोग अथवा अंतिम उपयोग की समय-सीमा में निपटान के माध्यम से संसाधित करने हेतु सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार हैं।

***

अनुलग्नक –I

"पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस क्षेत्र में पेट्रोकेमिकल उत्पादन बढ़ाना" के संबंध में श्री बैन्नी बेहनन द्वारा पूछे गए दिनांक 13.02.2025 को पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 1562 के भाग (क) से (च) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक।

पीसीपीआईआर परियोजनाओं के कार्यान्वयन और क्रियान्वयन की स्थिति इस प्रकार है:-

संकेतक	**गुजरात**	**आंध्र प्रदेश**	**ओडिशा**	**योग**
स्थान/क्षेत्र	दाहेज, भरूच	विशाखापत्तनम- काकीनाडा	पारादीप	-
अनुमोदन	फरवरी, 2009	फरवरी, 2009	दिसंबर, 2010	-
कुल क्षेत्रफल (वर्ग कि.मी.)	453.00	640.00	284.15	1377.15
एंकर टेनेन्ट	ओएनजीसी पेट्रो एडिशन लिमिटेड (ओपीएएल)	--	इंडियन ऑयल कार्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल)	-
किया गया निवेश (करोड़ रुपए)	1,28,509	58,918	73,518	2,60,945
सृजित रोजगार (संख्या)	2,45,140	86,123	40,000	3,71,263
रासायनिक इकाइयों की संख्या	626	150	48	824

*****

अनुलग्नक –II

"पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस क्षेत्र में पेट्रोकेमिकल उत्पादन बढ़ाना" के संबंध में श्री बैन्नी बेहनन द्वारा पूछे गए दिनांक 13.02.2025 को पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 1562 के भाग (क) से (च) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक।

उत्कृष्टता केन्द्रों की सूची

क्रम सं.	उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) का स्थान	शीर्षक	अनुमोदन की तारीख	भारत सरकार द्वारा अनुमोदित अनुदान (करोड़ रुपए में)
1.	राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगशाला, पुणे	सस्टेनेबल पॉलीमर इंडस्ट्री टू रिसर्च एण्ड इनोवेशन	अप्रैल , 2011	6.00
2.	सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, चेन्नई	ग्रीन ट्रांसपोर्ट नेटवर्क (ग्रीट)	अप्रैल , 2011	6.00
3.	सीआईपीईटी, भुवनेश्वर	सस्टेनेबल ग्रीन मटिरीअल्स	अप्रैल , 2013	6.00
4.	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली	एडवांस पॉलिमरिक मटिरीअल्स	मार्च , 2013	6.00
5.	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी	सस्टेनेबल पॉलिमर	अप्रैल , 2013	6.00
6.	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रूड़की	पेट्रोकेमिकल उद्योगों में प्रक्रिया विकास, अपशिष्ट जल प्रबंधन	फरवरी , 2019	4.40
7.	सीआईपीईटी, भुवनेश्वर	बायो-इंजीनियर्ड सस्टेनेबल पॉलीमेरिक सिस्टम	फरवरी , 2019	5.00
8.	राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगशाला, पुणे	अनुकूलित एडिटिव विनिर्माण के लिए विशेष पॉलिमर	फरवरी , 2019	2.80
9.	सीएसआईआर - नॉर्थ ईस्ट इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (सीएसआईआर-एनईआईएसटी)	पेट्रोलियम उद्योगों के सतत विकास के लिए पॉलिमर, उनके कंपोजिट और पॉलिमरिक मेम्ब्रेन	दिसंबर , 2020	4.99

10.	सीएसआईआर-आईआईसीटी, हैदराबाद	सजावटी, सुरक्षात्मक और कार्यनीतिक अनुप्रयोगों के लिए पॉलिमर कोटिंग्स	दिसंबर , 2020	4.86
11.	सीआईपीईटी, भुवनेश्वर	अगली पीढ़ी के जैव-चिकित्सा उपकरणों का विनिर्माण	दिसंबर , 2020	5.00
12.	आईआईटी, गुवाहाटी	पॉलिमर खिलौनों का सस्टेनेबल और अभिनव डिजाइन और निर्माण	फरवरी , 2022	5.00
13.	इंडियन रबर मैन्युफैक्चरर्स रिसर्च एसोसिएशन, ठाणे	रबर के मूल्यवर्धित खिलौनों और संबद्ध तैयार उत्पादों के लिए डिजाइन और विकास	फरवरी , 2022	4.93
14.	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (इंडियन स्कूल ऑफ माइन्स), धनबाद	कोयला से एसिटिलीन और फाईन रसायन	सितंबर , 2024	2.61
15.	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास	बायोडिग्रेडेबल पैकेजिंग मटिरीअल्स (बायोपैक)	सितंबर , 2024	4.95
16.	सीएसआईआर-नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर इंटरडिसिप्लिनरी साइंस एंड टेक्नोलॉजी (सीएसआईआर-एनआईआईएसटी), तिरुवनंतपुरम	औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिए प्रदर्शन रसायन और सस्टेनेबल पॉलिमर	सितंबर , 2024	5.00
17.	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर	स्पेशल्टी केमिकल्स	सितंबर , 2024	4.99
18.	सीएसआईआर- प्रगत पदार्थ तथा प्रकम अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-एएमपीआरआई), भोपाल	खिड़की और व्यक्तिगत सुरक्षा अपेयरल्स के लिए पारदर्शी और बायोकम्पैटिबल मेटल-पॉलिमर कम्पोजिट आधारित एक्स-रे, गामा रे और न्यूट्रॉन शील्ड्स	सितंबर , 2024	1.95

*****

****